D

(21224)

LL.M.-III Sem.

Printed Pages : 4

Roll No. .....

L-55

LL.M. Examination, December-2024

CONSTITUTIONALISM AND CONSTITUTIONAL DEVELOPMENT IN INDIA AND ENGLAND

(L-3001)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 70*

Note : Attempt any **five** questions. Each question carries 14 marks.

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

1. A government should run according to Rule of Law otherwise might in right will be further rule. In the light of this statement discuss the concept of Rule of Law as propounded by Prof. A.V. Dicey. How this concept is applicable in India?

सरकार विधि के शासन के अनुरूप चलना चाहिए अन्यथा जिसकी लाठी उसकी भैंस भविष्य का नियम होगा। इस कथन के आलोक में प्रो. ए.वी. डायसी द्वारा प्रतिपादित विधि के शासन का सिद्धान्त की अवधारणा का विवेचना कीजिए। यह अवधारणा भारत में कैसे लागू होता है?

2. Separation of powers in an organizational structure where responsibilities, authorities and powers are divided between groups rather than being centrally held. In the light of this statement discuss critically the Doctrine of Separation of Power as propounded by Montesquieue. How this doctrine is applicable in India? Discuss with the help of decided cases.

शक्तियों का पृथक्करण एक संगठनात्मक संरचना है जहाँ उत्तरदायित्व, अधिकार और शक्तियाँ केन्द्रीय रूप में आयोजित होने के बजाय समूहों के बीच विभाजित होती है। इस कथन के आलोक में मॉंटेस्क्यू द्वारा प्रतिपादित शक्ति पृथक्करण सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। यह सिद्धान्त भारत में किस प्रकार से लागू है? निर्णीत वादों की सहायता से विवेचना कीजिए।

3. With the help of decided cases discuss Parliamentary Privileges as prescribed under Indian Constitution to Members of Parliament.

निर्णीत वादों की सहायता से भारतीय संविधान में विहित सांसदों को संसदीय विशेषाधिकार की विवेचना कीजिए।

4. Explain the salient features of the Crown Proceedings Act, 1947.

क्राउन प्रोसीडिंग्स ऐक्ट, 1947 के प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. What do you mean by 'Prerogative Writ'? Explain the grounds for issuing the Writ of Certiorari. Refer to decided cases.

'विशेषाधिकार याचिका' से आप क्या समझते हैं? उत्प्रेषण याचिका जारी करने के आधारों का वर्णन कीजिए। निर्णीत वादों का हवाला दीजिए।

6. With the help of decided cases, write an essay on writ of Quo-warranto.

निर्णीत वादों की सहायता से अधिकार पृच्छा याचिका पर एक निबन्ध लिखिए।

7. What do you mean by a 'Limited Government'? What are the essential principles of constitutional limits on British government? Discuss.

'सीमित सरकार' से आप क्या समझते हैं? ब्रिटिश सरकार पर संवैधानिक सीमाओं के आवश्यक सिद्धान्त क्या है? विवेचना कीजिए।

8. What do you mean by 'Writ of Mandamus'? With the help of decided cases, discuss its scope.

'परमादेश याचिका' से आप क्या समझते हैं? निर्णीत वादों की सहायता से इसके विस्तार क्षेत्र की विवेचना कीजिए।

9. Judicial review is power of the Courts of a Country to examine the actions of the legislative, executive and administrative arms of the government and to determine whether such actions are consistent with the constitution? In the light of this statement, discuss power of judicial review as prescribed under Indian Constitution. Refer to decided cases.

न्यायिक पुनर्विलोकन किसी देश की न्यायालयों को सरकार की विधायी, कार्यकारी और प्रशासनिक शाखाओं के कार्यों की जाँच करने और यह निर्धारित करने की शक्ति है कि क्या ऐसे कार्य संविधान के अनुरूप है? इस कथन के आलोक में भारतीय संविधान में विहित न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति की विवेचना कीजिए। निर्णीत वादों का हवाला दीजिए।

10. The Royal Prerogative is a body of customary authority, privilege and immunity attached to the British Monarch, recognised in United Kingdom. In the light of this fact, discuss Crown Prerogatives as prescribed in U.K. Refer to decided cases.

शाही विशेषाधिकार ब्रिटिश सम्राट से जुड़ी प्रथागत प्राधिकार, विशेषाधिकार और प्रतिरक्षा का निकाय है, जिसे यूनाइटेड किंगडम में मान्यता प्राप्त है। इस तथ्य के आलोक में यूनाइटेड किंगडम में विहित क्राउन विशेषाधिकार की विवेचना कीजिए। निर्णीत वादों का हवाला दीजिए।